भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3713
उत्तर देने की तारीख 03.04.2025

'विकसित भारत' के एक भाग के रूप में वैश्विक पहचान के लिए सांस्कृतिक राजनय

3713. **श्रीमती संगीता यादव :**

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा विकसित भारत, 2047 लक्ष्य के अनुरूप भारत को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनाने के लिए क्या पहल की गई है;
(ख) क्या सरकार सांस्कृतिक राजनय के माध्यम से भारत की विरासत और सौम्य शक्ति को पहचान दिलाने की दिशा में काम कर रही है;
(ग) यदि हां, तो इस संबंध में विदेशी संस्थानों और संगठनों के साथ साझेदारी का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या मंत्रालय इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पर्यटन, विदेश मामलों आदि जैसे क्षेत्रों में अन्य मंत्रालयों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है; और
(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी मंत्रालय-वार ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): संस्कृति मंत्रालय भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवर्धित करने तथा भारत की वैश्विक छवि को बढ़ाने के लिए "वैश्विक सहभागिता स्कीम" कार्यान्वित करता है।

स्कीम के मुख्य उद्देश्यों में विदेशों के साथ सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करना, द्विपक्षीय सांस्कृतिक संपर्कों को संवर्धित करना, विश्व मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाना और इनबाउंड पर्यटन को प्रोत्साहित करना शामिल है।

वैश्विक सहभागिता स्कीम निम्नलिखित घटकों के माध्यम से अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के माध्यम से संचालित की जाती है:

I) भारत महोत्सव:

भारतीय कला रूपों में अभ्यासरत कलाकारों को 'भारत महोत्सव' के बैनर तले विदेश में प्रस्तुति देने का अवसर दिया जाता है। लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक रंगमंच और कठपुतली कला, शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य, प्रयोगात्मक/समकालीन नृत्य, शास्त्रीय/अर्धशास्त्रीय संगीत, रंगमंच आदि सहित लोक कलाओं जैसे विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकार विदेश में 'भारत महोत्सव' में प्रदर्शन करते हैं।

II) भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को सहायता अनुदान:

भारत और संबंधित विदेश के बीच घनिष्ठ मैत्री और सांस्कृतिक संपर्क को बढ़ावा देने के प्रयोजनार्थ हमारे भारतीय मिशनों के माध्यम से विदेशों में सक्रिय रूप से कार्यरत भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को सहायता अनुदान जारी किया जाता है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अधीन एक स्वायत्त संगठन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) विदेशों में स्थित अपने सांस्कृतिक केंद्रों और मिशनों/पोस्टों के माध्यम से विश्व भर में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देती है। उनके द्वारा संचालित कार्यकलापों में अन्य बातों के साथ-साथ योग, नृत्य, संगीत (गायन और वाद्य), संस्कृत और हिंदी का शिक्षण; भारतीय संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन/सहयोग करना; विदेशी विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन पीठों की सहायता करना; महात्मा गांधी और अन्य प्रख्यात राष्ट्रीय हस्तियों की आवक्ष प्रतिमाओं/मूर्तियों को भेंट स्वरूप प्रदान करना, दृश्य कला प्रदर्शनियों का आदान-प्रदान करना, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और भारतीय पर्व मनाना, विभिन्न आगंतुक कार्यक्रमों (शैक्षणिक/प्रतिष्ठित/महत्वपूर्ण/जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क) के तहत आगंतुकों की मेजबानी करना और विभिन्न छात्रवृत्ति स्कीमों के अंतर्गत विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृत्तियां प्रायोजित करना शामिल है। आईसीसीआर ने संस्कृति को विदेश में बढ़ावा देने और विदेशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने हेतु विभिन्न देशों की सरकारों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए हैं। आईसीसीआर देश में आने वाली विदेशी सांस्कृतिक मंडलियों की मेजबानी भी करता है ताकि भारतीयों को अलग-अलग देशों की संस्कृतियों के बारे में अवगत कराया जा सके।

इसके अतिरिक्त, भारत वैश्विक मुद्दों पर अन्य देशों के साथ सहयोग करने और विश्व मंच पर अपनी स्थिति सुदृढ़ करने के लिए विश्व भर में बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय

रूप से कार्य करता है। वर्ष 2020 से भारत ने भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करने और बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कार्यकलाप किए हैं :

- भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान संस्कृति मंत्रालय ने जुलाई 2021 में ब्रिक्स संस्कृति वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक और ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की छठी बैठक की वर्चुअल रूप से मेजबानी की;
- भारत की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता के दौरान संस्कृति मंत्रालय ने मार्च, 2023 में भारत की अध्यक्षता में 'एससीओ सदस्य देशों की साझा बौद्ध विरासत' पर सम्मेलन की मेजबानी की।
- संस्कृति मंत्रालय ने अप्रैल, 2023 में भारत की अध्यक्षता में 20वीं एससीओ संस्कृति मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की।
- संस्कृति मंत्रालय ने द्विपक्षीय सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल 2023 में भारत-मध्य एशिया संस्कृति मंत्रियों की पहली बैठक (सीएमएम) की मेजबानी की;
- भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान, संस्कृति मंत्रालय ने वर्ष 2023 में खजुराहो, भुवनेश्वर, हम्पी और वाराणसी में जी20 संस्कृति कार्य समूह बैठक (सीडब्ल्यूजी) और संस्कृति मंत्रियों की बैठक (सीएमएम) की मेजबानी की।

जी20 संस्कृति कार्य समूह ने 'काशी संस्कृति मार्ग' शीर्षक से एक परिणामी दस्तावेज पेश किया, जिसमें 2030 के बाद के विकास एजेंडे में "संस्कृति को एक स्वतंत्र लक्ष्य के रूप में" आगे बढ़ाने की हिमायत की गई। इसे न्यू दिल्ली लीडर्स डेक्लेरेशन के घोषणापत्र में सर्वसम्मति से समर्थन दिया गया, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा जी20 देशों के प्रतिभागियों के बीच भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न सहयोगी अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक परियोजनाएं शुरू की गईं- जिनमें चार वैश्विक विषयगत वेबिनार; प्रदर्शनियां - रि(एड)ड्रेस: खजुराहो के खजाने की वापसी; भुवनेश्वर में सस्टेन: द क्राफ्ट इडियम, हम्पी में वुवेन नेरेटीव्स; जी-20 कला परियोजना टुगेदर वी आर्ट; जी20 एन्थोलॉजी ऑफ पोएट्री- अंडर द सेम स्काइ एंड कल्चर यूनाइट्स ऑल केम्पेन; जी20 ऑर्केस्ट्रा- सुर वसुधा शामिल हैं। जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान जी-20 डिजिटल संग्रहालय (संस्कृति गलियारा) और प्रदर्शनी- रास्ते और उद्भव (रूट्स एंड रूट्स) का आयोजन किया गया।

(ग): भारत संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) का सदस्य देश है और यूनेस्को के कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक सम्मेलनों जैसे 1972 विश्व विरासत सम्मेलन, 2003 अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए सम्मेलन, 2005 सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की विविधता के संरक्षण और संवर्धन पर सम्मेलन, यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन), मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड (एमओडब्ल्यू) कार्यक्रम का भाग है। भारत अन्य के अलावा सांस्कृतिक संपदा के परिरक्षण और पुनरुद्धार के

अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीसीआरओएम), विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) जैसे अंतर सरकारी संगठनों का भी सदस्य है।

(घ) और (ड.): संस्कृति मंत्रालय पर्यटन, आर्थिक विकास और सॉफ्ट पावर के चालक के रूप में भारत की संस्कृति और विरासत की शक्ति का लाभ उठाने के लिए पर्यटन मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श करता है।

*****